(68)

स्पीड पोस्ट

संख्या — /XXXVI(1)/2012–01 चार–एफ0/2011

प्रेषक,

डी0 पी0 गैरोला,
प्रमुख सचिव, न्याय एवं विधि परामर्शी,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
रूद्रप्रयाग।

न्याय अनुभाग–1 देहरादून : दिनांक 6 अगस्त, 2012

विषय : जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी), जिला रूद्रप्रयाग के पद पर श्री अरूण प्रकाश बाजपेयी का आबन्धन समाप्त होने पर नया पैनल उपलब्ध कराया जाना।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या–1391/बीस–73(2009–10) दिनांक 18–02–2012 व संख्या–2906/बीस–73(2009–10) दिनांक 19–05–2012 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके अन्तर्गत जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी), जिला रूद्रप्रयाग के पद पर शासनादेश संख्या–02 चार–एफ/XXXVI(1)/11–01 चार–एफ/11 दिनांक 14–06–2011 के अन्तर्गत एक वर्ष की अवधि के लिए अर्थात दिनांक 13–06–2012 तक आबद्ध श्री अरूण प्रकाश बाजपेयी की आबद्धता के नवीनीकरण का प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया गया है।

2– इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री अरूण प्रकाश बाजपेयी के जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी), जिला रूद्रप्रयाग के पद पर एक वर्ष की अवधि के उक्त आबन्धन, जो दिनांक 13–06–2012 को स्वतः ही समाप्त हो चुका है के परिणामस्वरूप रिक्त पद पर आपके द्वारा प्रेषित नवीनीकरण के प्रस्ताव पर सम्यक विचारोपरान्त शासन ने उक्त रिक्त पद हेतु नया पैनल मंगाये जाने का निर्णय लिया है। अतः जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) के उक्त पद हेतु विधि परामर्शी निदेशिका के निम्नलिखित प्रस्तर–7.03 में उल्लिखित व्यवस्थानुसार नया पैनल प्रेषित करने का कष्ट करें:–

प्रस्तर–7.03 : (1) जब कभी किसी जिले में जिला सरकारी अभिवक्ता का पद तीन माह के भीतर रिक्त होने वाला हो या कोई नया पद सृजित हुआ हो, सम्बन्धित जिला अधिकारी विधिज्ञ वर्ग संस्था (बार) के सदस्यों को रिक्ति के बारें में सूचित करेगा। विचार किये जाने के योग्य वे सदस्य होंगे, जिन्होंने जिला सरकारी अभिवक्ता की दशा 10 वर्षो तक विधि व्यवसाय किया हो, सहायक जिला सरकारी अधिवक्ता की दशा में 7 वर्षो तक और अधीनस्थ जिला सरकारी अधिवक्ता की दशा में 5 वर्षो तक विधि व्यवसाय किया हो। जिलाधिकारी ऐसे सदस्यों से अपेक्षा करेगा, जो किसी विशेष पद पर नियुक्ति हेतु अपने नाम पर विचार कराना चाहते हों, कि वे उसे अपने नाम, और ऐसे विवरण दें, जैसे आयु, विधिज्ञ वर्ग संस्था (बार) में किये गये विधि व्यवसाय की अवधि, हिन्दी में प्राप्त योग्यतायें, पिछले तीन वर्षो में विधि व्यवसाय की आय पर उनके द्वारा अदा किये गये आयकर की धनराशि और यदि आयकर न लगाया गया हो, तो उनके द्वारा भेजी गयी आयकर विवरणी यदि कोई हो, दो वर्षो की

क्रमश.....2

कार्यवाही के दौरान उनके द्वारा किये गये कार्य का न्यायालय द्वारा यथाविधि सत्यापित ब्यौरा और यह सूचना कि क्या उन्होंने आपराधिक, सिविल और राजस्व सम्बन्धी विधि कार्य किया है।

(2) समीप के जिलों के जिला सरकारी अभिवक्ता और विधि व्यवसायी भी जिला सरकारी अभिवक्ता के पद के लिए अपने जिलाधिकारियों के माध्यम से उपरोक्त विवरण भेज सकते हैं, जो उन्हें उस जिले के जिला अधिकारी को अपनी ऐसी अभ्युक्ति सहित, जो वे उपयुक्त समझें, भेज देंगे, जिसमें नियुक्ति की जानी हो।

(3) इस प्रकार प्राप्त नामों पर जिला अधिकारी जिला न्यायाधीश से परामर्श करके विचार करेगा। जिला अधिकारी वर्तमान पदाधिकारियों (अतिरिक्त, सहायक जिला सरकारी अधिवक्ता) यदि कोई हो, के दावों पर उचित रूप से विचार करेगा और गोपनीय रूप से वरीयता के क्रम में प्रत्येक पद के लिए पद के लिए तीन विधि व्यवसायियों के नाम विधि परामर्शी को भेजेगा और इसके साथ ही विशेष रूप से प्रत्येक अभ्यर्थी के चरित्र, व्यावसायिक आचरण तथा सत्यनिष्ठता के विषय में अपनी राय तथा प्रत्येक अभ्यर्थी की उपयुक्तता और गुणावगुण के विषय में जिला न्यायाधीश की राय भी भेजेगा। जिला अधिकारी विधि परामर्शी को अपनी सिफारिशें भेजते समय अन्य अभ्यर्थियों द्वारा दिये गये विवरण (बायोडाटा) तथा अपने और जिला न्यायाधीश द्वारा की गई ऐसी टीकाओं को भेजेगा, जो वह उचित समझें। सिफारिशें करते समय अभ्यर्थी की, यथास्थिति, सिविल, आपराधिक या राजस्व विधि की और हिन्दी की प्रवीणता पर विशेष रूप से ध्यान दिया जायेगा।

भवदीय,

(डी० पी० गैरोला)
प्रमुख सचिव

संख्याः 2-ज़ार F/XXXVI(1)/2012-01 चार-एफ०/2011 तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :--

1-- मा० मुख्यमंत्री जी के निजी सचिव को मा० मुख्यमंत्री जी के संज्ञानार्थ।
2-- जिला न्यायाधीश, रूद्रप्रयाग।
3-- वरिष्ठ कोषाधिकारी, रूद्रप्रयाग।
4-- श्री अरूण प्रकाश बाजपेयी, अधिवक्ता, जिला न्यायालय परिसर, रूद्रप्रयाग।
5-- एन.आई.सी./गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(प्रेम सिंह खिमाल)
अपर सचिव

D:\Bhagwan folder\Dgc apointment\dgc letter.doc